# केरल के पाँच कृषि उत्पादों को जीआई दर्जा

केरल के पाँच कृषि उत्पादों- **अट्टापडी अट्टुकोम्बु अवारा, अट्टापडी थुवारा, ओनाटुकारा एलु, कंथलूर-वट्टावदा वेलुथुल्ली** और **कोडुंगल्लूर पोट्टुवेलारी** को भौगोलिक संकेत (GI) का दर्जा प्रदान किया गया है।

- असम के गमोसा (पारंपरिक कपड़ा), महाराष्ट्र के अलीबाग सफेद प्याज, लद्दाख के रक्तसे कारपो खुबानी और तेलंगाना के तंदूर रेडग्राम को भी हाल ही में जीआई टैग मिला है।

## नवीनतम GI के बारे में मुख्य बिंदु:

- **अट्टापडी अट्टुकोम्बु अवारा (बीन्स):**
  - जैसा कि इसके नाम से संकेत मिलता है, यह बकरी के सींग की तरह घुमावदार होती है।
  - अन्य डोलचियोस बीन्स की तुलना में इसकी उच्च एंथोसायनिन सामग्री तने और फलों में बैंगनी रंग प्रदान करती है।
    - एंथोसायनिन अपने एंटीडायबिटिक गुणों के साथ हृदय रोगों के खिलाफ मददगार है।
  - अट्टापडी अटुकोम्बु अवारा की उच्च फेनोलिक सामग्री कीट और रोगों के खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करती है, जिससे फसल जैविक खेती के लिये उपयुक्त हो जाती है।
- **अट्टापडी थुवारा (लाल चना):**
  - इसके **बीज सफेद आवरण वाले होते हैं।**
  - अन्य लाल चने की तुलना में अट्टापडी थुवारा के **बीज बड़े** होते हैं और **बीज का वज़न अधिक** होता है।
- **ओनाटुकारा एलु (तिल):**
  - ओनाटुकारा एलु और इसका तेल अपने अनोखे स्वास्थ्य लाभों के लिये प्रसिद्ध है।
  - ओनाटुकारा एलु में अपेक्षाकृत उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री मुक्त मूलकों से लड़ने में मदद करती है, जो शरीर की कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं।
  - साथ ही **असंतृप्त वसा** की उच्च सामग्री इसे **हृदय रोगियों के लिये फायदेमंद बनाती** है।
- **कंथलूर-वट्टवडा वेलुथुल्ली (लहसुन):**
  - अन्य क्षेत्रों में उत्पादित लहसुन की तुलना में इस लहसुन में**सल्फाइड, फ्लेवोनोइड्स, प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है और यह आवश्यक तेल से भी भरपूर होता** है।
  - यह एलिसिन से भरपूर होता है, जो **माइक्रोबियल संक्रमण, ब्लड शुगर, कैंसर आदि के खिलाफ प्रभावी है।**
- **कोडुंगलूर पोट्टुवेलारी (स्नैपमेलन):**
  - गर्मियों में काटे जाने वाले इस स्नैप तरबूज में **विटामिन C की उच्च मात्रा होती है।**
  - अन्य कुकुरबिट्स की तुलना में कोडुंगल्लूर पोट्टुवेलारी में**कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर और वसा की मात्रा जैसे पोषक तत्त्व भी अधिक होते हैं।**

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न:

**प्रश्न: निम्नलिखित में से किसे 'भौगोलिक संकेतक' का दर्जा प्रदान किया गया है? (2015)**

1. बनारस के जरी वस्त्र एवं साड़ी
2. राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा
3. तिरुपति लड्डू

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**उत्तर: C**

**व्याख्या:**

- भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication) का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिये किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है।
- दार्जिलिंग चाय जीआई टैग पाने वाला भारत का पहला उत्पाद था।
- बनारस जरी वस्त्र और साड़ी एवं तिरुपति लड्डू को जीआई टैग मिला है, जबकि राजस्थान की दाल-बाटी-चूरमा को नहीं। अतः कथन 1 और 3 सही हैं।

**अतः विकल्प (C) सही है।**

## स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gi-status-for-keralas-five-agricultural-products